संदर्भ-ग्रन्थ सूची

---

१. बृहदारण्यक उपनिषद २/१/१

२. कौषीतकी उपनिषद ४/१

३. वृहदारण्यक उपनिषद, अध्याय २, ब्राह्मण १, वर्ग १, २/१/१ 'सः होवाचाजातशत्रुः सहस्त्रमेतस्यां वाचि दद्योजानको जनक इति वै जनाः धावन्तिः।'

४. सत्राजित ईजे काश्यस्याश्वमादाय ततो हैतदवीक् काश्योऽग्नीनदधत। आत्तसोमपायाः स्म इति वदन्तः शतपथ ब्राह्मण १३/५/४/१९.

५. पाणिनि के अष्टाध्यायी ४/२/११६.

६. ऋग्वेद १/१३०/७.

७. रघुवंश ७/६-१० एवं कुमारसंभव ७य५७य१०.

८. नाट्यशास्त्रः पृ. ३६-३०-४७.

© Copyright IGNCA, Sunil Jha
All rights reserved. No part of this may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.